sales, and capital restructuring besides, efficient management of physical and financial resources, etc.

Production of Finished Steel

1688. SHZl KAMAL MORAKA Will the Minister of STEEL be pleased to state :

(a) the Demand and production of finished steel during the last three years and projected during the Eighth Five Year Plan;

(b) how the gap has been met/proposed to be met; and

(c) what are the details of the steps to increase production of finished steel '.'

THE MINISTER OF STATE OH THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONMTOSH MOHAN DEV) : (a) The Denand and production of finished steel during the last three years and projection for the terminal year of 8th Plan i.e. 1996-97 are as under :

(la lakh tonnes)

Domestic	Demand	Production
1990-91	155.2	135.3!
1991-92	163.5	143.29
1992-93	177.6	152.04
1996-97	250.0	240.92

(b) The gap between demand and domestic production is met to some extent through imports of iron and steel materials.

(c) In order to increase production of steel, the public sector steel plants have taken up modernisation/expansion programmes-Steps have also been taken to facilitate the setting up of new capacities in the private sector. These include removal of iron an i steel from the list of industries reserved for the public sector, exemption from the provisions of compulsory licensing, deregulation of pricing and distribution, etc.

इस्पात संयंत्रों में प्रदूषण जांच

1689. **श्रीमती सत्या बहिन** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के सभी इस्पात संयंत्रों के संबंध में प्रदूषण जांच कर ली गई है,

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ग) इस्पात संयंत्रों में प्रदूषण की जांच करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (ग) पर्यावरण और वन मंत्रालय की दिनांक 12 फरवरी, 1992 की गजट अधिसूचना और उसके बाद उसके द्वारा जारी संशोधनों के अनुसार उन सभी उद्योगों, जिन्होंने 16 मई, 1981 को अथवा इससे पूर्व उत्पादन शुरू किया था, को 31 दिसम्बर, 1993 तक प्रदूषण नियंत्रण के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा करने के संबंध में कदम उठाने थे। तदनुसार सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों ने विभिन्न इस्पात संयंत्रों में प्रदूषण के स्तर की जांच की थी और उन्होंने मानदण्डों के अनुसार आवधिक जांच करने के लिए व्यवस्था की है। इन जांचों के अनुसार कई स्टैक से उत्सर्जन मानदण्डों से काफी कम है और शेष स्टैक के संबंध में कार्रवाई शुरू की गई है।

संयंत्रों द्वारा, वायु जल और ध्वनि प्रदूषण के संबंध में एक विस्तृत प्रदूषण नियंत्रण कार्य योजना तैयार की गई है। इस्पात संयंत्रों द्वारा इस कार्य योजना के अधिकांश कार्य को कार्यान्वित किया जा चुका है परन्तु उपयुक्त प्रौद्यो-